चिम्पैन्ज़ी अपनी गुड़िया खुद बनाते हैं!

जर्मनी में मैन के बेट्स कॉलेज की सोन्या कालेनबर्ग और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के रिचर्ड रैन्गहैम ने पता लगाया है कि किशोर चिम्पैन्ज़ी टहनियों का ठीक उसी तरह उपयोग करते हैं जैसे मनुष्य के बच्चे गुड़ियों के साथ खेलते हैं। वे इन टहनियों को झुलाते हैं, गोद में बिठाते हैं और यहां तक कि उनके लिए छोटा-सा घर भी बनाते हैं।

कई वर्षो पहले जेन गुडऑल ने सबसे पहले यह रिपोर्ट किया था कि चिम्पैन्ज़ी औज़ारों का उपयोग करते हैं। तब से मनुष्यों के अलावा जानवरों में बुद्धि के स्तर की खोज हमें नई-नई दिशाओं में ले जा रही है।

कालेनबर्ग व रैन्गहैम ने युगाण्डा के किबले नेशनल पार्क में रहने वाले चिम्पैन्ज़ियों के 14 साल के अवलोकनों का विश्लेषण करके उनके द्वारा टहनियों के उपयोग को चार प्रकारों में बांटा। पहला प्रकार है टहनी का उपयोग ज़मीन व पेड़ों के सुराखों की छानबीन करने में करना। दूसरा प्रकार है आपसी टकराव में शस्त्र प्रदर्शन के लिए करना, तीसरा है अकेले खेलते समय एक वस्तु के रूप में और चौथा है एक गुड़िया के रूप में। इस चौथे प्रकार को शोधकर्ताओं ने 'टहनी उठाकर घूमने' की संज्ञा दी है। ऐसे व्यवहार के 301 अवलोकनों में देखा गया कि यह किशोर वय के चिम्पैन्ज़ियों में ज़्यादा प्रचलित है। इसके अलावा यह मादाओं में ज़्यादा देखा गया। शोधकर्ताओं को यह देखकर

आश्चर्य हुआ कि यह व्यवहार कुछ वयस्क मादा चिम्पैन्ज़ियों में तो दिखता है मगर एक बार मां बन जाने के बाद कभी नहीं दिखता। इसका मतलब है कि युवा चिम्पैन्ज़ी यह व्यवहार वयस्कों को देखकर नहीं बल्कि अन्य किशोर वय के साथियों को देखकर सीखते हैं।

कम से कम 25 ऐसे अवलोकन थे जब टहनी-गुड़िया को उठाकर उसके घर तक ले जाया गया। एक नर चिम्पैन्ज़ी ने तो अपनी गुड़िया के लिए अलग से एक घर बनाया था। एक मादा चिम्पैन्ज़ी को अपनी गुड़िया की पीठ थपथपाते भी देखा गया।

शोधकर्ताओं का मत है कि यह खेल वास्तव में उन्हें अपनी वयस्क भूमिका की प्रेक्टिस करने में मदद करता है। ***(स्रोत फीचर्स)***